Ephesians 4:10-16
इफिसियों ४:१०-१६

Biblical Civility
बाइबिल के शिष्टाचार

Pastor Bryan Chapell
पास्टर ब्रायन चैपल

1.7.18
१. ७. १८

Introduction: A super-heated, word-charged culture
परिचय : एक उग्र और शब्दों पर आरोप लगाने वाली संस्कृति

Key Question: What is the role of the church in an age of Trolling, Tweeting, Flaming and Word-bombing?
मुख्य सवाल : इस युग में जहाँ ट्विटिंग, चिलनेवाली, देहकनेवाली, और उतेजित भाषा का चलन है उसने चर्च की क्या भूमिका है?

Answer: The church's mission is to be God's instrument of filling "all things" with the glory at Christ.
चर्च का विशेष कार्य है की वह परमेश्वर का साधन बने जिससे "सारी बातो" में उनको महिमा मिले

How?

I. Guiding Principles
मार्गदर्शक सिद्धांत

A. God give a variety of gifts to those He intends to lead His church. (v.11)
परमेश्वर, जिनका चर्च की की अगुवाई के लिए प्रयोजन करते है, वह उन लोगो को विविध दान देते है (व् ११)

B. God gives one central purpose to al leaders: to equip the saints for the Work of Ministry (v.12-14)
परमेश्वर, एक मुख्य उद्देश्य सब अगुवाई करने वालों को देते है : जो संतों को सेवा के लिए तैयार करे (व् १२-१४)

C. God gives the saints a primary tool for ministry: to speak the Truth in Love (v15a)
परमेश्वर, संतों को एक मुख्य उपकरण देते है, सच्चाई को प्यार से कहे (व् १५ आ)

II. Required Practices (v.15)
उपेक्षित कार्य (व् १५)

A. We must say what is true (v.15a)
हमें सच बोलना चाहिए (व् १५ आ)

B. We must only say what is provable (v.15b)
जो प्रामाण्य हो वह बोलना चाहिए (व् १५ बी)

C. We must only say what is loving (vv.12, 15-16, 29)
जो प्यार के योग्य है, वह बोलना चाहिए (व् १२, १५-१६, २९)

III. Redemptive Priorities
छुटकारा देने वाली प्राथमिताए

A. Are my words opening conversations (or closing them) ?
क्या मेरे शब्द, बात चित की शुरुआत करते है? (या उसे समाप्त करे है)

B. Are my words building up or tearing down
क्या मेरे शब्द, प्रोत्साहित करते है या निरुत्साहित करते है

Conclusion: Poison or Antidote
निष्कर्ष : ज़हर या प्रतिषेधक